भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
20.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4574 का उत्तर

यात्री आरक्षण प्रणाली

4574. डॉ. हेमांग जोशी:
श्री नव चरण माझी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) टिकट बुकिंग और पूछताछ के लिए यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) की प्रति मिनट क्षमता का ब्यौरा क्या है;
(ख) वर्तमान यात्री यातायात के लिए आवश्यक पीआरएस की आवश्यक क्षमता का ब्यौरा क्या है;
(ग) वर्तमान पीआरएस के उन्नयन के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(घ) उन्नयन के लिए आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;
(ङ) नए पीआरएस को जनता के लिए पूरी तरह से चालू करने की समय-सीमा क्या है; और
(च) यात्री यातायात के आधार पर पीआरएस की क्षमता को बढ़ाने के लिए उपलब्ध तंत्रों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): भारतीय रेल में क्षमता संवर्द्धन और प्रौद्यौगिकी उन्नयन सतत प्रक्रिया हैं। वर्तमान में यात्री आरक्षण प्रणाली की बुकिंग और पूछताछ क्षमता क्रमशः लगभग 25,000 टिकट प्रति मिनट है।

भारतीय रेल ने यात्री आरक्षण प्रणाली का पूर्ण उन्नयन किया है। इसमें हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्क उपकरण, संरक्षा अवसंरचना और कार्यात्मकताओं का उन्नयन और प्रतिस्थापन शामिल है, जो नई सुविधाओं को संभालने में सक्षम डिज़ाइन के साथ नई प्रौद्योगिकी पर आधारित है।

नई प्रणाली को मौजूदा क्षमता से 04 गुना से अधिक क्षमता के लिए डिजाइन किया गया है। मौजूदा यात्री आरक्षण प्रणाली को उन्नत करने के लिए लगभग 182 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

इसके अतिरिक्त, रेलवे ने हाल ही में रेलवन ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप यात्रियों को मोबाइल फोन पर आरक्षित और अनारक्षित टिकट बुक करने में सक्षम बनाता है। वस्तुतः इससे यात्री आरक्षण प्रणाली सुविधा यात्रियों की हथेली में आ गई है।

****